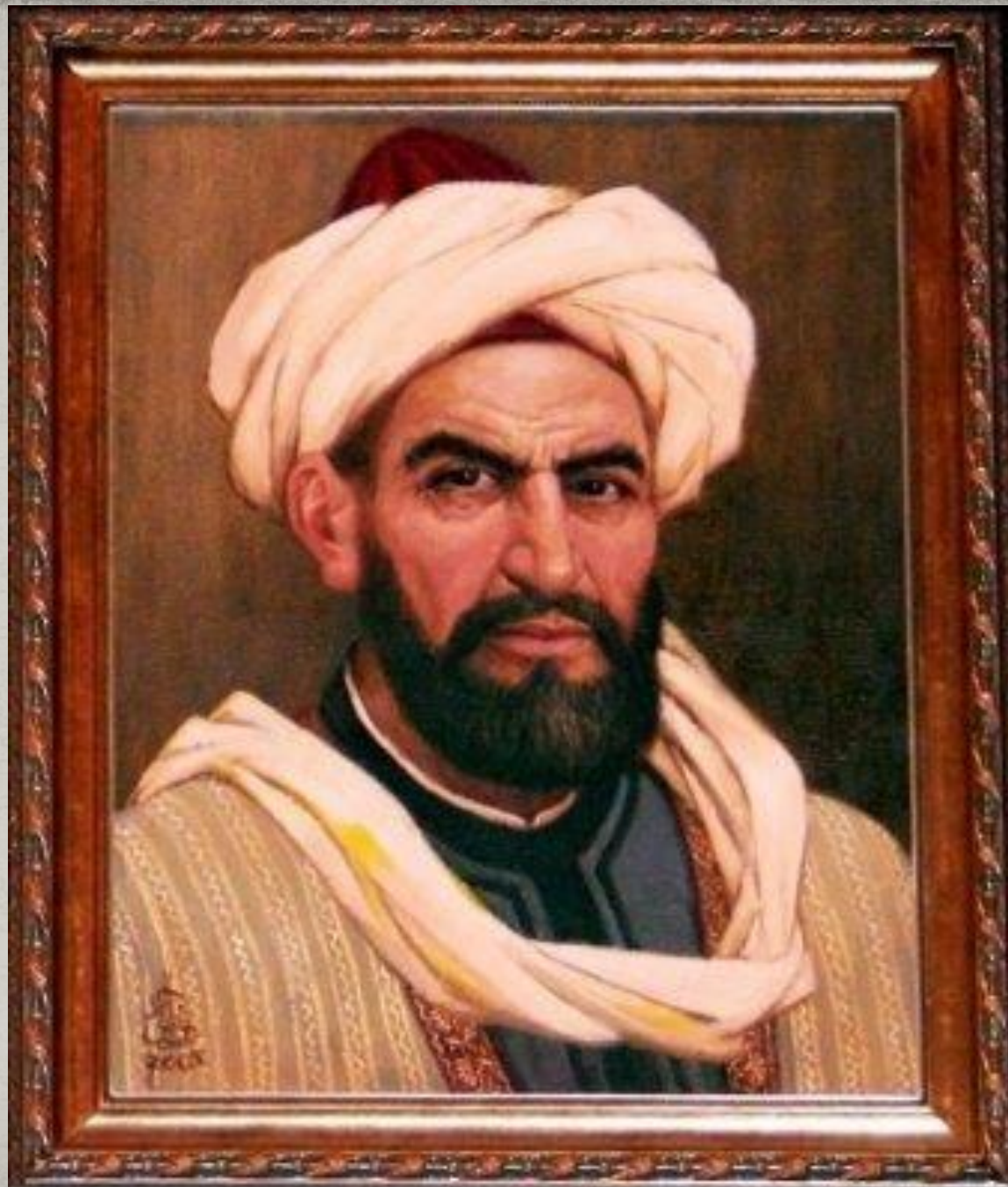


Махмуд Къашгъарий
«Дивану лугъат-ит тюрк»
сёзлюгининъ эмиети.







Махмуд Къашгъарий

- «Дивану лугъат-ит-тюрк» эсери 1072-1077 сенелери язылгъан.
- Бу эсерде тюркий сёзлернинъ маналары изаатлана.
- Бу эсерде XI асырда яшагъан тюркий халкълар яшайышы акъкъында малюмат топлангъан.

ای ایستد بر زانوی تو چشم
 خسته شد ز غم که کجا ایست
 خنجر باور بر نهاد بر کتف
 قاتل کز کفرین کجاست
 گوئی ای که غم ز غم تو
 طایفه ای که در دست ننگ
 غم ز غم تو ایست
 قید بر چرخ است و در غم
 بر سرش عشق است و در غم
 جوید ز غم تو ایست
 طایفه ای که در دست ننگ
 طایفه ای که در دست ننگ
 طایفه ای که در دست ننگ

غم ز غم تو ایست
 خسته شد ز غم که کجا ایست
 خنجر باور بر نهاد بر کتف
 قاتل کز کفرین کجاست
 گوئی ای که غم ز غم تو
 طایفه ای که در دست ننگ
 غم ز غم تو ایست
 قید بر چرخ است و در غم
 بر سرش عشق است و در غم
 جوید ز غم تو ایست
 طایفه ای که در دست ننگ
 طایفه ای که در دست ننگ
 طایفه ای که در دست ننگ

كتاب ديوان لغات الترك
تأليف محمود بن الحسين بن محمد الكاشغري رحمه الله

كتاب ديوان لغات الترك

تأليف محمود بن الحسين بن محمد الكاشغري رحمه الله



لا ينبغي ان يخرج علي من يقول ان هذا الكتاب بلغه الترك ان هذا القاي غير مارق بلغه انزل
ولا بلغه الترك ان ايضا والذي يدل علي جعله بالروكامة هو ان يصير من يعرف التركيات
ويقرأ عليه من الفاظه قال يكره ما وقال ليس هذا الكلام اعرفت ان القابل انه بلغه الترك
جامل بالركانية علي ان اللفظة التي اقبله اذ انطقت بها التركان لا يخرجها ذلك عن كونها
وقد وقع ذلك الفاظ كثير استعملها التركان والنون في بيغته واجده وامرنا
يولد علي جعله بالخطا فيه واشعارها وانما هذا ان يقال من حيث من تلك اللادج صغرة
ان الله ولا يبلغه قومه لا ولا الكبرياء انما انما الله انما الله انما الله في بلاد العرب
ويستعمل العلم شر عليه الالفاظ الدس من العرب لا يعرفها من مني نطقه
في الكتاب لا يصير السطو من كتاب العرب في نطقه في الكتاب ايضا
او اسانله من المستعمل من الالفاظ من قوله انما يشترنا ما باسحق وعز
قوله عز وجل وقتن وكل يرج انه يقول لا علم الله والبع الشان ارفعه والانه
العلامة والنال هذا لغيره والكار الدس من قوله انما كتاب الله
ان الله علي خلقه من بعد وبعينه من الالفه قوم لغزوه في رسول الله في
دسوق في نطقه علي باللسان فلم يرجع منه ولا الشان في قوله انما كتاب الله
الانما انما في لغات الترك من قوله انما كتاب الله

هذا الكتاب
هو ديوان لغات
الترك

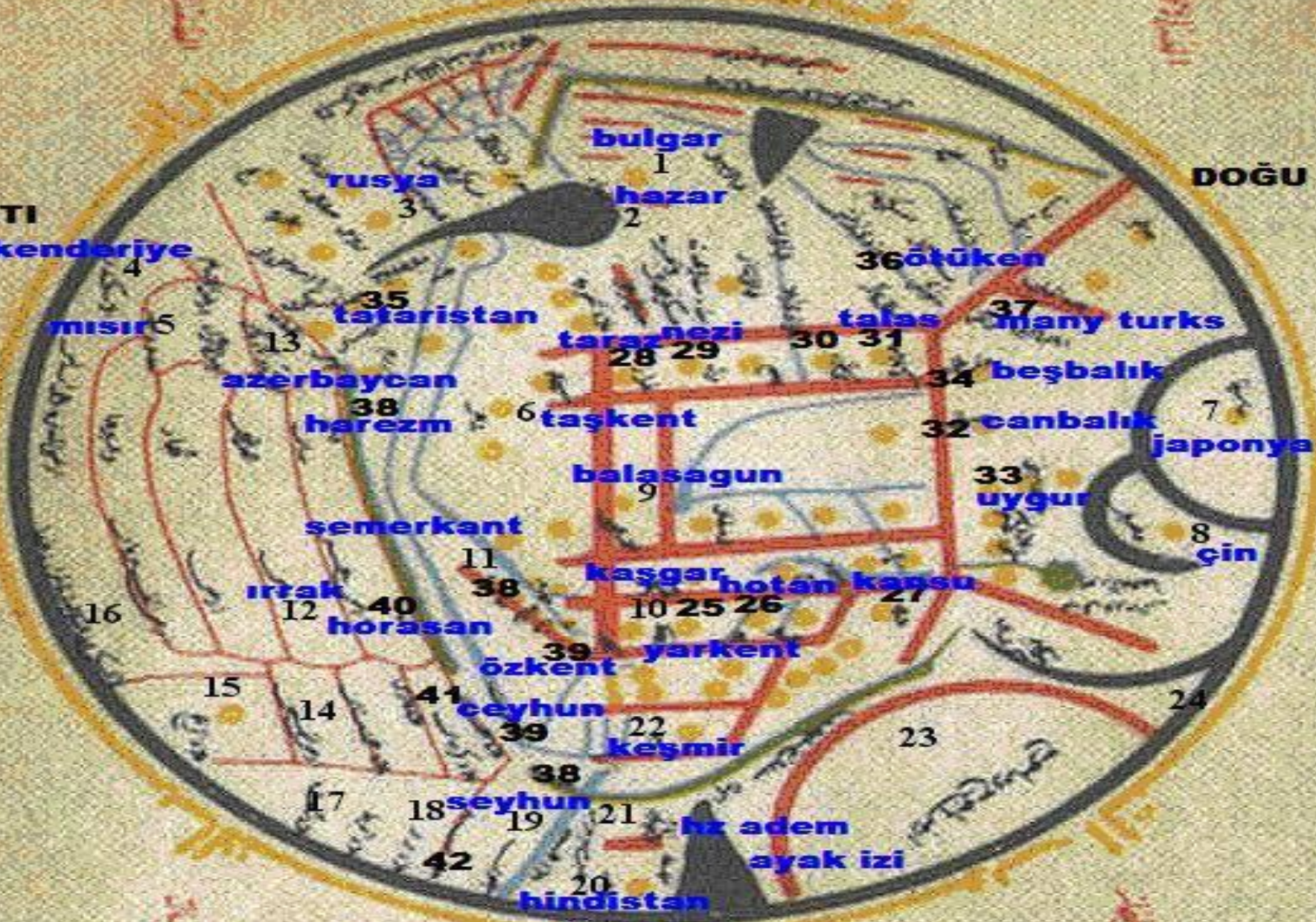
7

North **KUZEY**

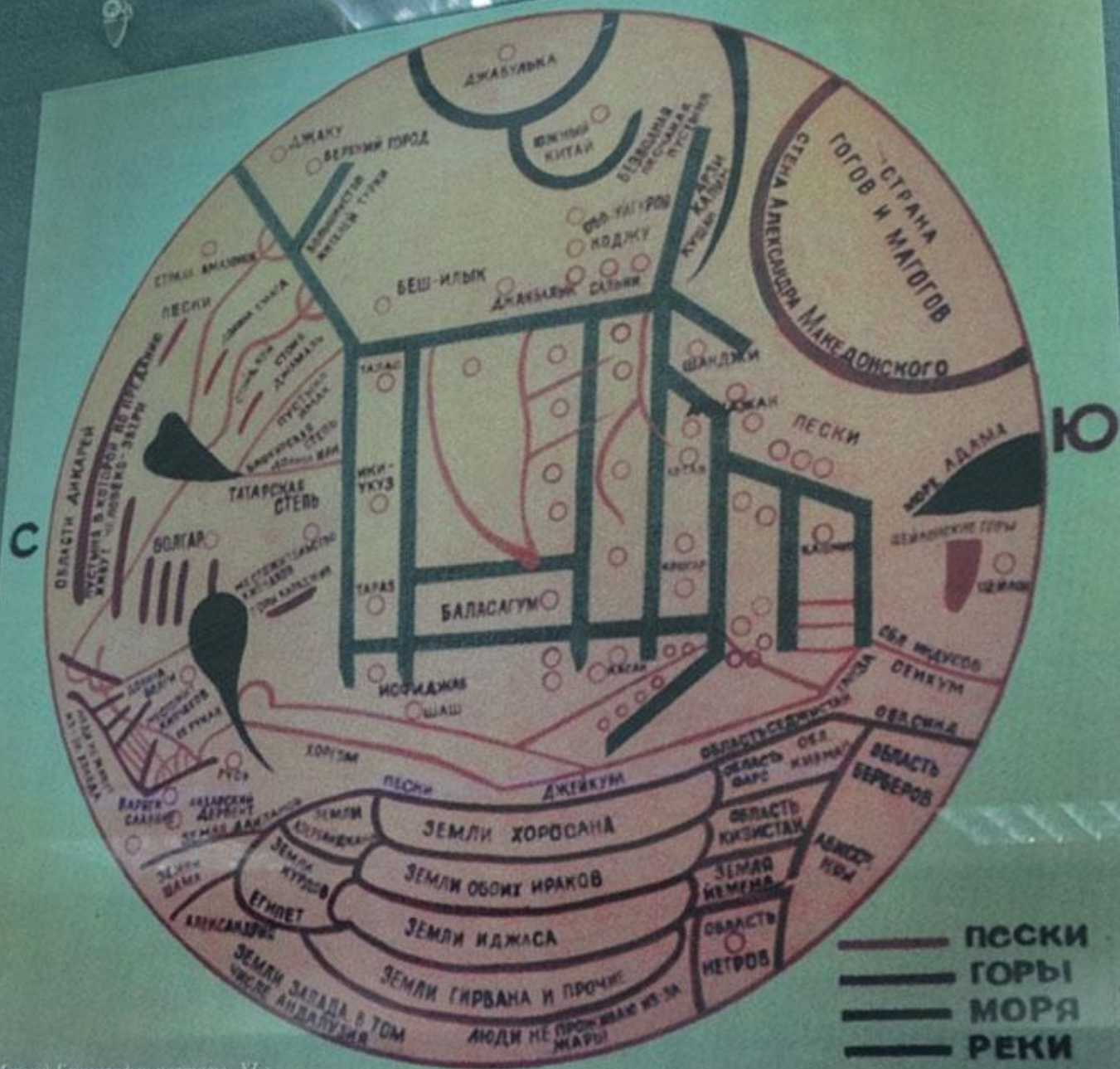
DOĞU

BATI

iskenderiye



GÜNEY



Махмуд Кашгаридин картасы. XI ғ.
 Карта Махмуда Кашгарин. XI ғ.

- Месея: бу эсерде озен, кой, шеэрлернинъ адлары ачыкълана.
- Этиль : Волга (Рус диярындан акъып Булгъар денъизине тѣкюле.



Идиль суву акъып турар
Къая тубюни къакъып турар,
Бол балыкълар бакъып турар,
Гольнинъ тубю чокълашыр.

- Даа **сёзлер** ширий шекильде аталар сёзлери ярдымынен ачыкълангъан.
- Месея: **Озь** сёзю-озю, кенди (сам)

- *«Яхшы урбанъны – озюнъе,*
- *Татлы ашны – башкъасыны,*
- *Мусафиринъни сай, урьмет эт,*
- *Шан-шерифини этрафкъа бильдирсин»*

- *Бу дертлюкте тюрк халкъынынъ мусафирпервер, инсанпервер чизгилери тасвирлене.*

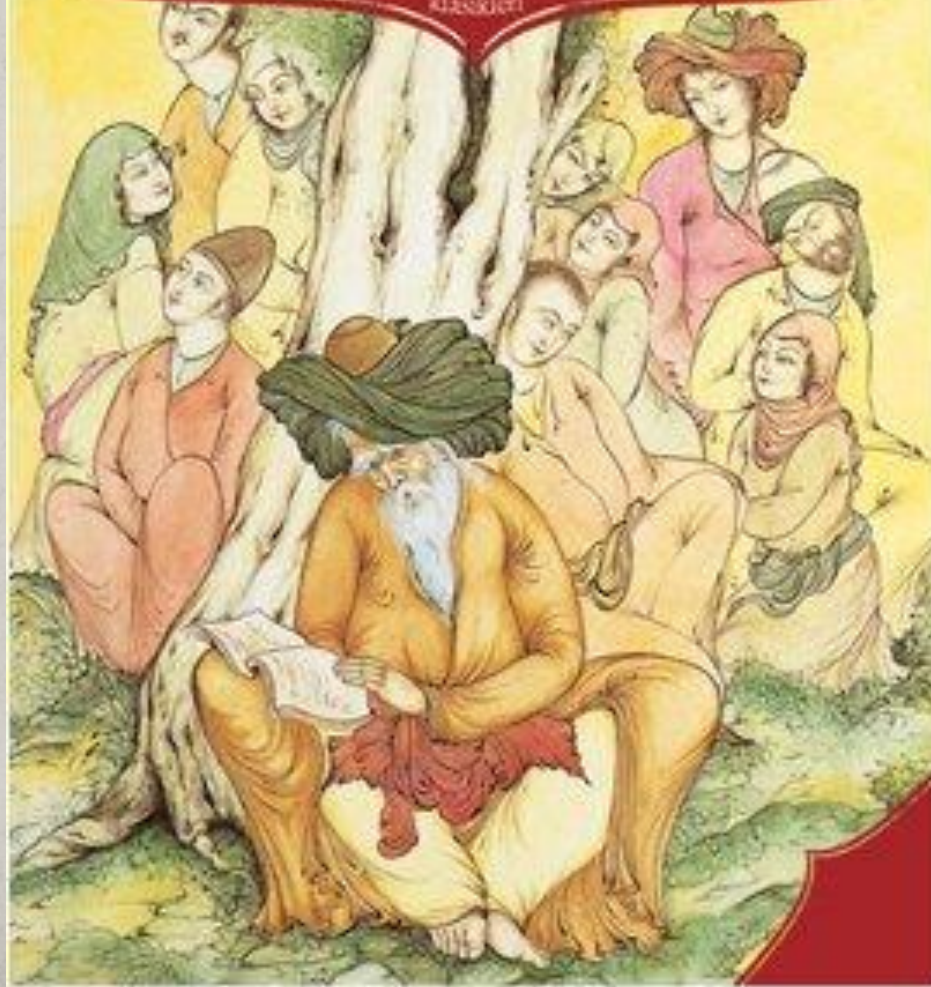
- Огют сёзю- акъыл огретмек,
- *«Огъул, менден огют алмакъны*
- *эр вакъыт Танърыдан тиле,*
- *Улькенъде буюк инсан олып,*
- *Бильгинъни этрафкилерге огрет.*
- Бу сатырлар тюрк халкънынъ бильгиге ынтылувыны тарифлей.

Divânü Lugâti't - Türk

Kâşgarlı Mahmûd



Kaşgarlı Mahmut
DİVÂNÜ LÜGÂT-İT TÜRK'TEN
SEÇMELER



TÜRK DİLİ
DİVANI

KÂSGARLI MAHMÜD

DİVANÜ
LUGAT-İT-
TÜRK

PROF. DR.
FİDİ KOZKURT

KÂSGARLI MAHMÜD



DİVANÜ LUGAT-İT-TÜRK

TÜRK DİLİ DİVANI



SEYRİ İZMİRİNİN GİZLİ HARİTASI
PROF. DR. FİDİ KOZKURT

**Divan-ı
Lügati't
Türk'teki
Atasözleri**

TEBRİZ

Нетидже:

- Махмуд Къашгъарий «Дивану лугъат-ит тюрк» сёзлюги пек къыйметли эсердир.
- XI асырда яшагъан тюрк халкъларнынъ урф-адетлери, яшайыш тарзлары ве рухий дюньясы тасвирленген.